No. of Printed Pages : 3

एम.एच.डी.-15

04659

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2011

एम.एच.डी.-15 : हिन्दी उपन्यास-2

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *प्रथम प्रश्न **अनिवार्य** है। शेष प्रश्नों में से **किन्हीं तीन** के उत्तर दीजिए।*

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से ***किन्हीं दो*** के सन्दर्भ एवं प्रसंग-सहित व्याख्या कीजिए। 10+10=20

(क) यौवन में विवाह से पूर्ण लाज और संकोच की यह अनुभूति और उसका प्रदर्शन भी नवयुवती में अत्यन्त उत्कृष्ट होता है। विवाह के रूप में आकर्षण शक्ति के चरितार्थ हो जाने पर और विवाह की परिणति सन्तान के रूप में हो जाने पर अपने शरीर के सम्बन्ध में स्त्रियों की लाज घटने लगती है। जर्जर बुढ़ापे की संध्या आ जाने पर, आकर्षण का अवसर नहीं रहता तो स्त्रियों में शरीर के प्रति शैशव का सा निस्संकोच फिर लौट आता है।

(ख) साधारण लोग अत्यन्त साधारण हैं, मेरी प्रतिभा के स्तर से बहुत नीचे हैं, मैं उन्हें जिस तरह चाहूँ बहका सकता हूँ। मुझसे अपने व्यक्तित्व के प्रति एक अनावश्यक मोह,

उसकी विकृतियों को भी प्रतिभा का तेज समझने का भ्रम और अपनी असामाजिकता को भी अपनी ईमानदारी समझने का अनावश्यक दम्भ आ गया था। ''धीरे-धीरे मैं अपने ही को इतना प्यार करने लगा कि मेरे मन के चारों ओर ऊँची-ऊँची दीवालें खड़ी हो गयीं और मैं स्वयं अपने अहंकार में बन्दी हो गया, पर इसका नशा मुझ पर इतना तीखा था कि मैं कभी अपनी असली स्थिति पहचान नहीं पाया।''

(ग) कुदरते-खुदाबदी का यकीन दिलाने के लिए मूसा ने बड़े-बड़े मोजज़े दिखाए। आसमानों को कैसा बुलंद और बाआब बनाया। सूरज के जरिए रात और दिन की तारीक़ी और रोशनी का इंतज़ाम किया। सतह ज़मीन को बिछाकर इस पर पहाड़ कायम किए। आसमान से पानी बरसाया और ज़मीन में सब्ज़ी उगाया। सतह ज़मीन की अगर एक वसीह फ़र्श से मिसाल दी जाए तो इस पर पहाड़ों को समझा जाएगा कि गोया फ़र्श को अपनी जगह रखने के लिए मेखें गाड़ दी गई हों।

(घ) अगर तुम्हारी किस्मत फूटी हो, और तुम्हें यहीं रहना पड़े तो अलग से अपनी एक हवाई दुनिया बना लो। उस दुनिया में रहो जिसमें बहुत से बुद्धिजीवी आँख मूँदकर पड़े हैं। होटलों और क्लबों में। शराबखानों और कहवाघरों में, चण्डीगढ़-भोपाल-बंगलोर के नवनिर्मित भवनों में, पहाड़ी आरामगाहों में, जहाँ कभी न खत्म होने वाले सेमिनार चल रहे हैं। विदेशी मदद से बने हुए नये-नये शोध-संस्थानों में जिनमें भारतीय प्रतिभा का निर्माण हो रहा है। चुरुट के धुएँ, चमकीली जैकेट-वाली किताब और गलत किन्तु अंग्रेजी की धुन्धवाले विश्वविद्यालयों में। वहीं कहीं जाकर जम जाओ फिर वहीं जमे रहो।

2. 'झूठा-सच' उपन्यास में विस्थापन और संघर्ष के मर्मान्तक चित्र प्रस्तुत किए गए हैं। इस कथन का युक्तियुक्त विवेचन कीजिए। 10

3. 'रागदरबारी' के औपन्यासिक-शिल्प का विवेचन कीजिए। 10

4. 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' उपन्यास में मध्यवर्गीय जीवन का अभिव्यक्ति हुई है। कथन की सार्थकता पर विचार कीजिए। 10

5. 'जिन्दगीनामा' उपन्यास की अन्तर्वस्तु का विवेचन कीजिए। 10

6. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए। 2x5=10

(क) जिन्दगीनामा में 'शाहनी'

(ख) झूठा-सच में अभिव्यक्त पंजाब की संस्कृति

(ग) रागदरबारी में 'लंगड़'

(घ) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' का शिल्प विधान